बिहार विधान-सभा वादवृत्त।

मंगलवार तिथि, १२ अप्रील १९६०।

भारत के संविधान के उपबन्ध के अनुसार एकत्र विधान-सभा का कार्य विवरण।

सभा का अधिवेशन पटने के सभा सदन में मंगलवार तिथि १२ अप्रील १९६० को अपराह्न ११ बजे अध्यक्ष श्री विन्ध्येश्वरी प्रसाद वर्मा के सभापतित्व में हुआ।

अल्प-सूचित प्रश्नोत्तर।

Short Notice Questions and Answers.

PROVINCIALISATION OF ROAD.

190. Shri SHAKOOR AHMAD : Will the P. W. D. Minister be pleased to state—

(1) whether there is a District Board road running from Harlakhi P.-S. to Khajauli P.-S. *via* Narar Kothi in Darbhanga district;

(2) whether it is an important road and its provincialisation will benefit the headquarters of Harlakhi Police-Station, Umgaon N. E. S. Block, Basopathi, N. E. S. Block, Khajauli Anchal and Khajauli Police-Station besides connecting these places with the main Jaynagar-Madhubani and Jaynagar-Darbhanga roads ;

(3) if the answers to the above clauses be in the affirmative, do Government propose to provincialise these roads ; if so, by what time, if not, why ?

*श्री सहदेव महतो—(१) उत्तर स्वीकारात्मक है।

(२) उत्तर स्वीकारात्मक है।

(३) सड़कों का प्रांतीयकरण का प्रश्न सरकार के विचाराधीन है जिस पर अभी सरकार का निर्णय नहीं हुआ है। यह कहना अभी संभव नहीं है कि यह सड़क सुधार के लिये ली जायगी या नहीं।

ALLEGATION AGAINST P. W. D. S. D. O. DARBHANGA.

1883. Shri RAMAKANT JHA : Will the P. W. D. Minister be pleased to state—

(1) whether it is a fact that Shri Kailash Singh, S. D. O. (P. W.D.), Darbhanga has been working in different posts at Darbhanga for the last eleven years with only an occassional absence of one and a half year at Saharsa ;

(2) whether it is a fact that Shri Singh has made name for his notorious activities in Darbhanga ;

(3) whether it is a fact that generally speaking no officers are allowed to work for more than three years at a place ;

(4) if the answers to above clauses be in the affirmative, do Government propose for his immediate transfer ?

श्री सहदेव महतो—(१) श्री कैलाश सिंह ने अधिदर्शक के पद पर सन् १९४८ से १९५६ तक दरभंगा में काम किया, तथा इसके बाद १९५६ के सितम्बर से १९५८ के सितम्बर तक सहरसा में अधिदर्शक के पद पर रहें। १९५८ के अक्तूबर में दरभंगा में लोक निर्माण विभाग के अवर-प्रमंडल अधिकारी के पद पर कार्य भार ग्रहण किया और उस समय से उसी पद पर वहीं हैं।

(२) उत्तर स्वीकारात्मक है।

(३) उत्तर स्वीकारात्मक है।

(४) श्री कैलाश सिंह अपने वर्त्तमान पद पर केवल डेढ़ वर्षों से ही हैं। अतः उनका शीघ्र ट्रांसफर का प्रश्न नहीं उठता है।

CONSTRUCTION OF STATE-OWNED HOSTEL.

***1884. Shri RAMAKANT JHA :** Will the P. W. D. Minister be pleased to state whether Government propose to construct state-owned fifty roomed first class hostel at Patna for middle class people ; if so, the details of the proposal and the time by which the hostel would start functioning, if not, why ?

श्री सहदेव महतो—उत्तर नकारात्मक है। तौभी पटने में ४२ राजपत्रित पदाधिकारियों के लिए एक होस्टल ६ लाख २५ हजार रुपए के लागत पर निर्माण करने का प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है।

इसके अलावे एक सरकारी होटल बनाने का भी प्रस्ताव सरकार के सामने है जिसकी जांच के लिए आवश्यक सामग्रियां इकट्ठी की जा रही हैं।

---

*प्रश्नकर्त्ता की अनुपस्थिति में श्री रामानन्द तिवारी के द्वारा पूछा गया।